आज की मुरली का सहज सार ---------- Date: 19-07-14

सच-खंड की स्थापना करने वाले, सत्य स्वरूप शिवबाबा ने हम बच्चों को सत्यता का पाठ पढ़ाते हुए कहा, सच्चे बाप के साथ सदा अन्दर बाहर सच्चा बनो, तब ही देवता बन सकेंगे. तुम ब्राह्मण ही सत्यता को धारण कर फरिश्ता सो देवता बनते हो.

भक्ति में जब किसीको गलत काम करके छुपा ने की आदत होती हैं तो उसे समझाया जाता हैं, की भगवान तुझे देख रहे और वह तुझे माफ नहीं करेंगे. ये समझानी देने से भी वह मनुष्य गलत काम करने से रुकता नहीं हैं, उसका कारण भगवान कभी भी ये सब देखता या उस मनुष्य को सजा देने का काम नहीं करता. उसे तो उसके कर्म का फल ही समय अनुसार मिलता हैं.

अभी ज्ञान में जब भगवान स्वयं हमें अपना बच्चा बनाते (ऐडप्ट करते) हैं और स्वर्ग के लायक बनाने के लिए हमें ज्ञान और योग सिखलाते हैं और हम बच्चे उसे (भगवान को) सत्य स्वरूप में याद करते हैं तो उसकी नज़र हमारे पर जरूर जाती हैं. वह हमारी आत्मा में रहे संस्कार को ही देखता हैं की यह बच्चे ने कहा तक दैवी-गुण धारण किये हैं और हमारे हर कर्म की संस्कार के रूप में छाप सदा रहती हैं. तो आत्मा के संस्कारों को पढ़ने वाले, उस बाप से कुछ भी छिपता नहीं हैं.

बाबा ने आज हमें एक बहुत जरूरी दैवी-गुण, सत्यता पर समझाते हुए कहा, सच्चे बाप के साथ अन्दर बाहर सच्चा बनो, क्योंकि सत्यता का कनेक्शन पवित्रता से हैं और इस ब्राह्मण जीवन का पुरुषार्थ हैं संपूर्ण पवित्रता धारण करना. अगर हम बाप से कुछ भी छिपाएंगे तो उसमें हमारा ही नुकसान हैं क्योंकि बाप हैं पतित-पावन (प्योरीफायर). हमसे कोई गलती होती हैं और उसे बाप को बडी सफ़ाई से बता देने से बाबा हमारी 50 प्रतिशत गलती माफ कर देता हैं और वह गलती हम फिरसे ना करें इसके लिए आत्मा में शक्ति भरता हैं. उसके सामने अगर हम गलती को छिपाते हैं तो हमारे में गलती करने का संस्कार बढ़ता ही जाता हैं और अन्त में हम ब्राह्मण से वापस कलयुगी मनुष्य बन जाते हैं, जब की हमारा ऐम हैं ब्राह्मण से फरिश्ता बनना. तो हम खुद का कितना बडा नुकसान कर देते हैं.

समझा, इस लिए ज्ञान मार्ग में सदा आगे बढ़ते रहना हैं तो स्वयं से और मीठे-मीठे, प्यारे-प्यारे बाबा से सदा सच्चा रेहना.

ॐ शांति.

Please feel free to send your questions/suggestions/feedbacks/complains to Atma Bhai on email –

a.brahmin.soul@gmail.com .